प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक का वार्षिक प्रकाशन – भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकी सारणियां बैंकों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करता है । इसमें बैंकवार एवं बैंक–समूह वार महत्वपूर्ण विषयों यथा देयताओं तथा आस्तियों, आय तथा व्यय, अनर्जक आस्तियां, वित्तीय अनुपात, कार्यालयों का स्थानिक वितरण, कर्मचारियों की संख्या, एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों का अग्रिम विवरण जैसे विषयों का समावेश है । यह आकलित जमा, बैंकिंग प्रणाली के दायित्व, बैंकिंग प्रणाली की आस्तियां, निवेश, बैंक–ऋण, एवं सेक्टरवार तथा उद्योगवार कुल बैंक ऋण जैसे कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर बैंक–समूहवार मासिक आंकड़ा प्रस्तुत करता है ।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित यह संस्करण श्रृंखला का 65 वां अंक है । यदि हम तत्कालीन सांख्यिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित संस्करणां को जोड़ दें तो यह श्रृखला का 90 वां अंक है ।

लगभग एक शताब्दी से जारी यह प्रकाशन इसके महत्व को उजागर करता है । यह पहले भारत सरकार एवं तदुपरांत भारतीय रिज़र्व बैंक से संबंधित अधिकारियों के कार्यो एवं समर्पण भावना को भी एक श्रद्धांजली है जिन्होंने इसके प्रकाशन में अपना योगदान दिया । श्रृंखला के वर्तमान संस्करण का प्रकाशन सांसूप्रवि के प्रधान परामर्शतदाता डॉ. बळवंत सिंह, एवं परामर्शदाता श्री ए. बी. चक्रवर्ती की मार्गदर्शन में प्रकाशित किया जा रहा है ।

मुझे विश्वास है कि अपने गौरवपूर्ण अतीत के अनुसार भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकी सारणियां का वर्तमान संस्करण भारतीय बैंकों के लिए सूचना का महत्वपूर्ण श्रोत साबित होगा । इसके प्रकाशन के लिए गठित टीम का नेतृत्व श्री. वी. बहुगुणा, निदेशक ने अपने सहयोगियों, डॉ.एन. के उन्नीकृष्णन–सहायक परामर्शदाता, श्री भास्कर बिराजदार – अनुसंधान अधिकारी, एवं श्रीमती शोभा ए. परब सहायक प्रबंधक के समर्थ सहयोग से किया । इस कार्य में उनका सहयोग श्री ए. एन. पटेल, श्री जे. कंदास्वामी, श्री एस.एस. चौधरी, श्री ए. थॉमस, श्रीमती एस. आय. मिस्किटा, श्रीमती पी. पी. वनमाली और श्रीमती एल. बी . घरत ने किया ।

यह खंड इसके गौरवशाली परंपरा को कायम रखने में सहयोग प्रदान करनेवाले पूर्व एवं वर्तमान की के सभी लोगों को अर्पित है ।

दीपक मोहंती
कार्यकारी निदेशक